सावन महीने में औरते भगवान शिव की ही पूजा क्यों करती हैं ?

शास्त्रों में कहा गया है कि सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इस महीने में भगवान विष्णु पाताल लोक में रहते हैं, इसी वजह से इस महीने में भगवान शिव ही पालनकर्ता होते हैं और वहीं भगवान विष्णु के भी कामों को देखते हैं, यानि सावन के महीने में त्रिदेवों की सारी शक्तियां भगवान शिव के पास ही होती है।

शिव को देवों का देव महादेव कहा जाता है। वेदों में इन्हें रूद्र नाम से पुकारा गया है। अब आपको कुछ ऐसे काम बताते है, जिन्हें सावन में करने से भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं -

✶सावन के महीने में शिवलिंग की पूजा की जाती है लिंग सृष्टि का आधार है और शिव विश्व कल्याण के देवता है।

✶शिवलिंग से दक्षिण दिशा में ही बैठकर पूजन करने से मनोकामना पूर्ण होती है।

✶शिवलिंग पूजा में दक्षिण दिशा में बैठकर करके साथ में भक्त को भस्म का त्रिपुण्ड लगाना चाहिए, रूद्राक्ष की माला पहननी चाहिए और बिना कटे-फटे हुये बिल्वपत्र अर्पित करना चाहिए।

✶शिवलिंग की कभी पूरी परिक्रमा नहीं करनी चाहिए। आधी परिक्रमा करना ही शुभ होता है।

आइये निदेशक स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ व वैदिक विज्ञानं केंद्र के प्रभारी डा0 भरत राज सिंह से हुयी वैज्ञानिक पहलू पर आधारित चर्चा की जानकारी से अवगत कराएँ:-

डा0 भरत सिंह का कहना है कि शिव ब्रह्माण्ड की शक्ति के ध्योतक है। शिव लिंग काले पत्थर का ही होता है, जो वातावरण व ब्रह्माण्ड से उर्जा अवशोषित करता रहता है। इस उर्जा को पूर्ण रूप से शिवलिंग में समाहित करने के लिए इसको साफ सुथरा रखने व जल, दूध आदि से अभिषेक करने की प्रथा हैं, जिससे पूजा अर्चना के समय आप को उपयुक्त उर्जा प्राप्त हो और प्रदूषित उर्जा समाप्त हो जाए।

सावन का महीना ऐसा होता है जब बरसात के मौसम का एक माह से ज्वादा समय गुजर चुका होता है, उसके बाद मौसम में नमी व काफी सुहावनापन आ जाता है। बरसात के मौसम में शुरु के एक महीने में वातावरण में मौजूद विषाक्त गैसे धरती पर पानी के कणों के साथ आ जाती हैं और अक्सर स्त्रियों व बच्चो में त्वचा सम्बन्धी रोग उत्पन्न हो जाते हैं। इन रोगों को दूर करने हेतु ही सावन में औरतो द्वारा शिवलिंग पर अभिषेक (जल, दूध, घी, शहद आदि) से किया जाता है जिससे त्वचा रोग के जर्म भी शिव लिंग में अवशोषित होकर उनके शरीर के और तालमेल बढ़ता है।

✶सावन माह में सम्पूर्ण वातावरण में पेड़-पौधों, खेतो, झाड़ियो व गार्डे न आदि में हरियाली आ जाती है, जिससे मनुष्यमात्र ही नहीं वरन जीव-जंतुओं में भी प्रसन्नता बढती है।

✶सावन माह में औरते समूह में झूला भी झूलती हैं और आपस में गायन कराती हैं, जिससे उनमे प्रसन्नता बढती है।

✶ सावन के महीने में शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना से दांपत्य जीवन में प्रेम वेक्टेरिया भी समाप्त हो जाते हैं और औरते निरोगी हो जाती हैं तथा शिवलिंग से अच्छी उर्जा ग्रहण करती हैं।

वेद पुराणों में सावन के पूजा-अर्चना का विधान

शास्त्रों में अंकित है सावन के महीने में शिवलिंग की पूजा इसलिए की जाती है यह लिंग सृष्टि का आधार है और औरते द्वारा इस माह में किया गया गर्भ धारण अत्यंत प्रभावशाली व व्यक्तित्व का धनी होना पाया गया है, क्योंकि शिव विश्व कल्याण के देवता है।

अभिषेक की विधि व फल

✶दूध से शिव जी का अभिषेक करने पर परिवार में कलह, मानसिक अवसाद व अनचाहे दुःख व कष्टों आदि का निवारण होता है।

✶वंश वृद्धि के लिए घी की धारा डालते हुये शिव सहस्रनाम का पाठ करना चाहिए।

✶इत्र की धारा डालते हुये शिव का अभिषेक करने से भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

✶जलधारा डालते हुये शिव जी का अभिषेक करने से मानसिक शान्ति मिलती है।

✶शहद की धारा डालते हुये अभिषेक करने से रोग मुक्ति मिलती है। परिवार में बीमारियों का अधिक प्रकोप नहीं रहता है।

✶गन्ने के रस की धारा डालते हुये अभिषेक करने से आर्थिक समृद्धि व परिवार में सुखद माहौल बना रहता है।

✶शिव जी को गंगा की धारा बहुत प्रिय है। गंगा जल से अभिषेक करने पर चारो पुरूषार्थ की प्राप्ति होती है। अभिषेक करते समय महामृत्युंजय का जाप करने से फल की प्राप्ति कई गुना अधिक हो जाती है। ऐसा करने से मॉ लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

✶सरसों के तेल की धारा डालते हुये अभिषेक करने से शत्रुओं का शमन होता, रूके हुये काम बनने लगते है व मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

पुष्पपत्र अर्पण की विधि व फल

✶विल्वपत्र चढ़ाने से जन्मान्तर के पापों व रोग से मुक्ति मिलती है।

✶कमल पुष्प चढ़ाने से शान्ति व धन की प्राप्ति होती है।

✶कुशा चढ़ाने से मुक्ति की प्राप्ति होती है।

✶दूर्वा चढ़ाने से आयु में वृद्धि होती है।

✶धतूरा अर्पित करने से पुत्र रत्न की प्राप्ति व पुत्र का सुख मिलता है।

✶कनेर का पुष्प चढ़ाने से परिवार में कलह व रोग से निवृत्ति मिलती हैं।

✶शमी पत्र चढ़ाने से पापों का नाश होता, शत्रुओं का शमन व भूत-प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है।

शिवलिंग पूजा में वर्जित

शिव पूजा के दौरान किन वस्तुओं का उपयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिएः-

✶कुंवारी लड़कियों को शिवलिंग पर जल नहीं चढ़ाना चाहिएम-

✶शिवलिंग पर कभी केतकी के फूल अर्पित नहीं करने चाहिए क्योकि ब्रहम देव के झूठ में उनका साथ देने की वजह से शिव ने केतकी के फूलों को श्राप दिया था। ।

✶तुलसी पत्तों को शिवलिंग पर नहीं चढ़ाना चाहिए, क्योंकि शिव द्वारा तुलसी के पति जरासंध का वध हुआ था।

✶नारियल तो ठीक है लेकिन शिवलिंग पर नारियल के पानी से अभिषेक नहीं करना चाहिए।

✶हल्दी का संबंध स्त्री सुंदरता से है इसलिए शिवलिंग पर हल्दी नहीं चढ़ानी चाहिए।

✶भगवान शिव विनाशक हैं और सिंदूर जीवन का संकेत। इस वजह से शिव पूजा में सिंदूर उपयोग नहीं होता।

केसर के अद्भुत स्वास्थ्य लाभ

तेज खुशबू वाला केसर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसका उपयोग विभिन्न व्यंजनों और मिठाईयों में किया जाता है। केसरिया रंग का केसर गर्म पानी में डालने पर गहरे पीले रंग का हो जाता है। इसमें मौजूद उष्णवीर्य, उत्तेजक, पाचक, वात-कफ नाशक गुणों के कारण इसका उपयोग कई बीमारियों में किया जाता है। साथ ही यह उत्तेजक, यौनशक्ति वर्धक, त्रिदोष नाशक, वातशूल शमन करने वाला भी होता है।

गर्भावस्था में लाभकारी

चिकित्सा गुणों से प्रचुर केसर ऐंठन दूर करता है। गर्भावस्था में इसको लेने से ऐंठन और पेट दर्द में आराम मिलता है। साथ ही यह पाचन-प्रणाली को सुधारने के अलावा गर्भवती महिला की भूख की वृद्धि भी करता है

पाचन क्रिया दुरुस्त रखें

पेट संबंधित बीमारियों के इलाज में केसर बहुत फायदेमंद होता है। बदहजमी, पेट-दर्द, पेट में मरोड़, गैस, एसिडिटी आदि हाजमे से संबंधित शिकायतों से राहत दिलाने में काफी मदद करता है। यह हमारी पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। मासिक धर्म की औषधि

केसर का नियमित सेवन महिलाओं के लिए बहुत अच्छा रहता है। महिलाओं की कई शिकायतें जैसे - मासिक चक्र में अनियमिता, गर्भाशय की सूजन, मासिक चक्र के समय दर्द होने जैसी समस्याओं में केसर का सेवन करने से आराम मिलता है।

नवजात के लिए अमृत

अक्सर नवजात को सर्दी-जुकाम की समस्या घेर लेती है। इस समस्या से नवजात को बचाने के लिए मां के दूध में केसर मिलाकर उसके नाक और माथे पर मलने से लाभ होता है।

या केसर, जायफल और लौंग का लेप बनाकर नवजात की छाती और पीठ पर लगाने से फायदा होता है। सर्दी का प्रकोप कम होता है और उसे आराम मिलता है।

दिमाग में तेजी

केसर को चन्दन के साथ घिसकर इसका लेप माथे पर लगाने से सिर, आंखों और दिमाग को शीतलता मिलती है। इस लेप को लगाने से दिमाग भी तेज होता है।

गंजापन दूर करें

गंजे लोगों के लिये तो केसर संजीवनी बूटी की तरह काम करती है। जिनके बाल बीच से उड़ जाते हैं, वह थोड़ी सी मुलेठी को दूध में पीस कर उसमें चुटकी भर केसर डाल कर पेस्ट बना लें। सोते समय सिर में लगाने से गंजेपन की समस्या दूर होती है। रूसी की समस्या हो या फिर बाल झड़ रहे हों, सभी समस्याओं में यह नुस्खा काम आता है।

सिर दर्द से राहत

सिर दर्द को दूर करने के लिए केसर का उपयोग किया जा सकता है। सिर दर्द होने पर चंदन और केसर को मिलाकर सिर पर इसका लेप लगाने से सिर दर्द में राहत मिलती है।

अनिद्रा दूर करें

अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी केसर काफी उपयोगी होता है। इसके साथ ही यह अवसाद को भी दूर करने में मदद करता है। रात को सोने से पहले दूध में केसर डालकर पीने से अनिद्रा की शिकायत दूर होती है।

बुखार में उपयोगी

केसर में 'क्रोसिन' नाम का तत्व पाया जाता है, जो वैज्ञानिक रूप से बुखार को दूर करने में उपयोगी माना जाता है। इसके साथ ही यह एकाग्रता, स्?मरण शक्ति और रिकॉल क्षमता को भी बढ़ाने का काम करता है।

आंखों की परेशानी में लाभकारी

आंखों की परेशानी को दूर करने में भी मददगार होता है केसर। एक हालिया शोध में यह बात सामने आयी है? कि जिस प्रतिभागी ने केसर का सेवन किया उसकी नजरें बेहतर रहीं।

Shine Art Glass
Prop. Mohd. Ikhtiyar
hello : 9336117636
Shop No.1, Shine Plaza, Basement, Bardani Mandir
Picnic Spot, Hardoi Road, Dubgga, Lucknow
Deal in :
All kinds of Glass, Decorative Float Glass, Toughened, Decorative Mirrors, Stain Glass, Indulated Glass, Glass Block, Etching Glass, Sand Glass, Beveling, Aluminum Work, A.C.P., Glazing etc

एकता का राज चलेगा। हिन्दू-मुस्लिम साथ चलेगा।। जो गरीबों की बात करेगा। वो ही देश पर राज करेगा।।
गरीब नवाज पार्टी
डॉ. शसुद्दीन उर्फ मुन्ना मियां
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मो. 9369047613, 9956677786
केन्द्रीय कार्यालय : सोहानी काम्प्लेक्स, 86 नजीराबाद लखनऊ
प्रदेश कार्यालय : 106/73 नजरबा, लखनऊ चिकन इन्ड

QUALTECH BUILDERS PVT. LTD.
Nalin Prabhat Das
Managing Director
Mobile : 9415024922
E-mail : n_prabhat@yahoo.com
MARKETING OFFICE
Windor Court 1st, UGF-3
Dalibagh, Lucknow
Phone : 0522-3079220-25
www.qualtechbuilder.com

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी
नेहरू भवन 10 माल एवेन्यू, लखनऊ-226001
रेहान खालिद
संगठन मंत्री
आवास : 7, सुभाष मार्ग निकट KGMU, चौक, लखनऊ-3
E-mail : ronn.khalid@gmail.com
कार्यालय : 0522-2238858, 2238859, मो. 9839252191

एम. ए. प्रापर्टीज
फ्री होल्ड प्लाट नगर व आसान किश्तों पर उपलब्ध हैं।
रिंग रोड, पुलिस चौकी के सामने, फरीदीपुर, हेल्थ क्लब के पास, गुरूदयाल बाबा की ठेकी, दुबग्गा, लखनऊ
मै. जीशान अली (शानू) मो. 9307365972, 9236088109
मो. मुईज आलम मो. 9839330282
मो. शादाब (रजा) मो. 9335846312

उ.प्र. व्यापारी मण्डल (पंजी)
मो. नदीम सिद्दीकी
अध्यक्ष (बालागंज)
433/352, रामनगर, कैम्पवेल रोड, बालागंज, लखनल
फोन. 9935155582, 9696177766

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक **राजेश श्रीवास्तव** के द्वारा **इंडियन एक्सप्रेस लि. प्रेस**, सी-26, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, लखनऊ से मुद्रित तथा ई-126 जियामऊ, हजरतगंज- लखनऊ से प्रकाशित।
दिल्ली कार्यालय : सी-40, साऊथ एक्सटेंशन, पार्ट-II, नयी दिल्ली-49, **फोन- 011-41320470, संपादक** - राजेश श्रीवास्तव, **सलाहकार संपादक :** सरिता श्रीवास्तव **फोन-0522-2204499**